भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1512
जिसका उत्तर 4 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है।
13अग्रहायण, 1946 (शक)

समृद्ध के अंतर्गत स्टार्टअप

1512.श्री राजू बिष्टः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारतीय स्टार्टअप को और अधिक समर्थन देने और उनमें तेजी लाने के लिए उत्पाद नवाचार, विकास और संवृद्धि हेतु एमईआईटीवाई के स्टार्टअप एक्सेलेरेटर्स (समृद्धि) के दूसरे समूह को सफलतापूर्वक शुरू किया है और यदि हां, तो इस पहल के प्रमुख उद्देश्य और ब्यौरा क्या है;
(ख) उक्त योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्टार्टअप्स की शुरुआत से लेकर अब तक उनके बीच नवाचार और विकास को बढ़ावा देने का ब्यौरा क्या है;
(ग) पश्चिम बंगाल राज्य में उक्त योजना से अब तक कितने स्टार्टअप लाभान्वित हुए हैं;
(घ) सरकार द्वारा सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जैसे टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
(ङ) क्या सरकार की देश में नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए अन्य क्षेत्रों में ऐसी स्टार्टअप पहलों का विस्तार करने की आगे की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख):उत्पादनवाचार, विकासऔरवृद्धि (समृद्ध) कार्यक्रमकेलिएएमईआईटीवाईकेस्टार्टअपएक्सेलेरेटरकोअगस्त 2021 मेंतीनवर्षकीअवधि (एकवर्षकेलिएआगेबढ़ायागया) केलिएलॉन्चकियागयाथाताकिमौजूदाऔरआगामी एक्सेलेरेटरकेमाध्यमसेलगभग 300 स्टार्टअपकोआगे बढ़ायाजासके। वर्तमान में, समृद्ध कार्यक्रम के तहत, स्वास्थ्य-तकनीक, एड-टेक, कृषि-तकनीक, उपभोक्ता-तकनीक, फिन-टेक, सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस (एसएएएस) और स्थिरता के केंद्रित क्षेत्रों में भारत के 12 राज्यों में फैले 22 चयनित एक्सेलेरेटरों के माध्यम से 175 स्टार्टअप का चयन किया है और उन्हें गति दी गई है।सरकारनेसंभावितएक्सेलेरेटरकेमाध्यमसे 125 स्टार्टअपको सहायता देने केलिएसमृद्धकादूसरासमूहलॉन्चकियाहै।

(ग):समृद्धयोजनाकेपहलेसमूहकेअंतर्गत, आईआईएमकलकत्ताइनोवेशनपार्क, आईआईएमकलकत्ताकोसमृद्धएक्सेलेरेटरमेंसेएककेरूपमेंचुनागयाथा।
आईआईएमकलकत्ताइनोवेशनपार्ककोआबंटित स्टार्टअपसमूहकाआकार 10 स्टार्टअपकाहै।

(घ) और (ङ):भारतसरकारछोटेशहरोंऔरकस्बोंमेंआईटीउद्योगकोबढ़ावादेनेकेलिएनिरंतरप्रयासकररहीहैऔरइससंबंधमेंआईटीउद्योगकेविकासकेलिएकईयोजनाएंऔरकार्यक्रमशुरूकिएगए हैं। आजभारतकोदुनियाभरमेंआईटीहबकेरूपमेंजानाजाताहै।

सॉफ्टवेयरटेक्नोलॉजीपार्क (एसटीपी) इसप्रयासमेंसबसेमहत्वपूर्णयोजनाओंमेंसेएकहै। इसयोजनाकेतहत, भारतके 65 शहरोंमेंसॉफ्टवेयरटेक्नोलॉजीपार्कस्थापितकिएगएहैं, जिनमेंदुर्गापुर, हल्दिया, खड़गपुर, सिलीगुड़ीआदिजैसे टियर-2 और टियर-3 शहरोंमें 57 केंद्रहैं। एसटीपीकेंद्रइनक्यूबेटरसुविधाप्रदानकरतेहैंजोउद्यमियोंकोअपनेअभिनवविचारोंकोस्टार्टअपमेंबदलनेमेंमदद करतेहैं। इनक्यूबेटरसुविधावेंचरकैपिटलिस्ट (वीसी), आईआईटी/एनआईटी/उद्योगकेसलाहकारोंजैसेनिवेशकोंसेमिलनेऔरआईटीपेशेवरोंआदिकेसाथनेटवर्किंग काअवसरप्रदानकरतीहै।

इसकेअलावा, एमईआईटीवाईने 'जेन-नेक्स्टसपोर्टफॉरइनोवेटिवस्टार्टअप्स (जेनेसिस)' योजना कीशुरुआतकीहै जिसका उद्देश्यदेशकेटियर-II और टियर-III शहरोंमेंस्टार्टअपइकोसिस्टमकोमजबूतकरनाहै। इस योजना में पांच वर्ष की अवधि में 490 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लगभग 1,600 प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स को तैयार करने , उन्हें सहायता देने और उनके विकास की परिकल्पना की गई है। जेनेसिस के तहत, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), नादिया, पश्चिम बंगाल को कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में चुना गया है।

******